(b) and (c) Madhya Pradesh has been complaining that it is not receiving its share of water from Rajasthan during the time of peak Rabi demand due to excessive drawal by Rajasthan, in the upper reaches of the canal. But according to Rajasthan, Madhya Pradesh has been abstracting water upstream of Gandhisagar Dam, thereby reducing the inflows into the reservoir. However, except in one year as above, Madhya Pradesh has been getting more flows.

(d) Yes, Sir.

(e) It is for the two State Governments to take a decision in the matter.

Production capacity of steel plants of SAIL

816. SHRI PYARELAL KHANDELWAL: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) what is the total production capacity of all the plants of Steel Authority of India Limited as on 31st March, 1986; and

(b) what was the total actual production of the said plants during last year?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI K. C. PANT): (a) The total production capacity of saleable steel of all the steel plants of Steel Authority of India Limited (including IISCO) as on 31st March, 1986 was 7.2 million tonnes per annum.

(b) The total production of saleable steel of these plants in 1985-86 was 6.00 million tonnes. This production was 14 per cent more than in 1984-85.

कीटनाशक दवाइयों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रयोगशालाएं

817. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सरकार ने विभिन्न राज्यों अथवा क्षेत्रों में कीटनाशक दवाइयों की गुणवत्ता नियंत्रण के लिये प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका राज्यवार ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या इन प्रयोगशालाओं को स्थापित करते समय मध्य प्रदेश की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा गया था; यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ; और

(घ) क्या केन्द्रीय सरकार ऐसी एक प्रयोगशाला मध्य प्रदेश में स्थापित करने का विचार रखती है और यदि हां, तो इसे कब तक स्थापित कर दिये जाने की संभावना है ?

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) राज्यों में जहां कहीं कीटनाशी परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं वे सब राज्य सरकारों द्वारा ही स्थापित की गई है । कीटनाशी अधिनियम की सांविधिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये केन्द्रीय सरकार ने फरीदाबाद (हरियाणा) में एक केन्द्रीय कीटनाशी प्रयोगशाला स्थापित की है, जिसका एक यूनिट बम्बई (महाराष्ट्र) और दूसरा यूनिट हैदराबाद (आन्ध्र प्रदेश) में है। केन्द्रीय सरकार ने राज्य सरकारों के प्रयासों में मदद करने के लिये पांच क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं की स्थापना करने के लिये पहले ही योजना को मंजूरी दे दी है ।

(ख) विभिन्न केन्द्रीय प्रयोगशालायें जिन स्वीकृत स्थानों तथा राज्यों/संघ